**आदेश 25, नियम 1 सि. प्र. सं. के अधीन आवेदन पत्र**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

के मामले में.............

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

आवेदक अति सादर पूर्वक निम्नलिखित रूप में निवेदन करता है

1. यह कि वादी ने तुच्छ अभिकथनों पर यह वाद संस्थित किया है और प्रतिवादी के पास यह विश्वास करने के सभी कारण हैं कि वादी का वाद अंततोगत्वा असफल हो जाता है।
2. यह कि वादी का इस आदरणीय न्यायालय की अधिकारिता के अन्दर स्थावर या भारत वर्ष के बाहर कहीं भी, जिसके बाहर खर्च वाद पर उपगत किया गया खर्च प्रतिवादी द्वारा वसूला जा सकता था, पर्याप्त स्थावर सम्पत्ति पर कब्जा नहीं होता है।

**या**

यह वादी भारतवर्ष को छोड़ देने वाला है और परिस्थितियों के अधीन युक्तियुक्त संभावना नहीं है कि वह प्रतिवादी द्वारा उपगत किये जाने वाले वाद के खर्चे का संदाय करना उपलब्ध नहीं होगा।

**प्रार्थना**

अतएव, यह अति सादर पूर्वक प्रार्थना की जाती है कि वादी को उस समय के अन्दर प्रतिभूति देने के लिए इस आदरणीय न्यायालय द्वारा आदेश किया जाये जो उपगत किये गये खर्चों के संदाय के लिए इस आदरणीय न्यायालय द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाय और इस आवेदक द्वारा किये जाने की संभावना हो।

**वादी**

**जरिये**

**अधिवक्ता**

**शपथपत्र**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

के मामले में.............

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

**शपथपत्र**

मै............निवासी...............निम्नलिखित रूप में एतद्द्वारा सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान एवम् कथन करता हूँ।

1. यह कि मै इस मामले में ............... हूँ और अतएव, इस शपथपत्र पर शपथ लेने में सक्षम हूँ।
2. यह कि साथ दिये जा रहे आवेदन पत्र की अन्तर्वस्तु सत्य एवम् सही है।

**शपथकर्ता**

**सत्यापन**

......में इस तारीख................... को यह सत्यापित किया गया कि ऊपर शपथपत्र की अन्तर्वस्तु मेरी जानकारी में सत्य एवम सही है।

**शपथकर्ता**